



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 198]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 29, 1982/अग्रहायण 8, 1904

No. 198]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 29, 1982/AGRAHAYAN 8, 1904

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

विरत मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1982

सं०एफ० 4 (5) इवेल्यू एण्ड एस/82—6.25 प्रतिशत ऋण 1986 (दूसरा निर्गम), 7.25 प्रतिशत ऋण, 1992 (चौथा निर्गम) और 8.75 प्रतिशत ऋण, 2010 के लिए 600 करोड़ रुपये की कुल राशि के लिए 13 दिसम्बर 1982 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अधिदान तकदी में स्वीकार किये जाएंगे। परन्तु लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 13 दिसम्बर, 1982 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्यरत बैंकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आदाता कार्यालयों में अधिदान स्वीकार किये जाएंगे। सरकार को 600 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अधिवानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अधिदान राशि 660 करोड़ रुपये से अधिक हो तो ऋणों के संबंध में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन

के बाद बचायी अधि अधिवान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज भरा नहीं किया जाएगा।

3. सं० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 26 जुलाई, 1986 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6.25 प्रतिशत ऋण 1986 (दूसरा निर्गम)

(i) वापसी प्रवायगी की तारीख—ऋण 26 जुलाई, 1986 को सममूल्य पर वापस भरा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रारंभिक ऋण के प्रत्येक सं० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य सं० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 13 दिसम्बर 1982 से वार्षिक 6.25 प्रतिशत होगी। 13 दिसम्बर 1982 से 25 जनवरी 1983 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 26 जनवरी, 1983 को भरा दिया जाएगा तथा उसके बाद प्रत्येक छमाही में 26 जुलाई और 26 जनवरी को ब्याज भरा दिया जाएगा। इस प्रकार भरा किये गये ब्याज पर नीचे दिये गये अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन माय कर अधिनियम, 1961 के प्रवर्तित कर लीगा।

4. ₹ 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 24 मई 1992 को सममूल्य पर प्रतिशत 7.25 प्रतिशत ऋण, 1992 (चौथा निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 24 मई 1992 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹ 100.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹ 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज-हस ऋण की ब्याज दर 13 दिसम्बर, 1982 से वार्षिक 7.75 प्रतिशत होगी। 13 दिसम्बर, 1982 से 23 मई, 1983 (बोर्ता बिल मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 24 मई, 1983 को अदा किया जाएगा तथा उसके बाद प्रत्येक छमाही में 24 नवम्बर और 24 मई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

5. ₹ 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 13 दिसम्बर, 2010 को सममूल्य पर प्रतिशत 8.75 प्रतिशत ऋण 2010

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 13 दिसम्बर 2010 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक ₹ 100.00 (साकेतिक) का निर्गम मूल्य ₹ 100.00 होगा।
- (iii) ब्याज-हस ऋण की ब्याज दर 13 दिसम्बर, 1982 से वार्षिक 8.75 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 13 जून और 13 दिसम्बर को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

पूरक व्यवस्थाएँ

6. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे—

- (क) महमदाबाद बंगलूर बम्बई, (कोर्ट और भायबला), कलकत्ता गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय;
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

7. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई, कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास नागपुर, नई दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में अम्मू और काश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्य किसी राजकीय या उप राजकीय में ब्याज अदा किया जाएगा।

8. ब्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जो कर के पात्र नहीं हैं या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर कम हो।

जो धारक कर-पात्र नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पात्र है, वह जिन के धारक अधिधारकों को आवेदन कर उनके एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि हर की कटौति किये बिना य धारक दर लागू होने वाली व्युत्पन्न दर पर कर की कटौति कर उसे अर्थ अदा किया जाता।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा पत्र भेजने पर, कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

9. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इनके उद्देश्यों को अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर रखने वाले अर्थात् तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलनेवाली आय को वार्षिक 6000/- रुपये की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 का धारा 80D के अन्तर्गत आयों के अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम के धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य का 1,65,000/- रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियाँ निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी—

- (i) स्टॉक प्रमाणपत्र, य. (ii) वचनपत्र।

इस आदेशक इतने में कि किसी का उद्देश्य न करे तो उन्हें वचनपत्रों के रूप के प्रतिभूतियाँ जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदन पत्र—ऋणों के लिए आवेदन पत्र ₹ 100 या उस के गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन पत्र इनके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अधिधार प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता हो।

14. आवेदन पत्रों के साथ आवेदक राशि तकदीय, चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम प्राकृतिक किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मूर्त-युक्त ऋण-आवेदन-पत्रों पर किये गये आदेशों पर प्रति ₹ 100.00 (साकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जाएगी।

दलालों की अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छ महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से
अखिलेश चन्द्र मिश्रा, संयुक्त सचिव

आवेदन पत्र का फार्म

मैं/हम* ----- पुरा/पुरे नाम ----- इसके साथ रु० -----

मैं/हम* ----- (----- रूप) के लिए नकदी/चेक प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं* और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं* कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्यदर्शी/मूल्य वर्गों में वचनपत्र (पत्रों)* के रूप में ----- रूपों के स्टॉक प्रमाणपत्र

सांकेतिक मूल्य के 6.25 प्रतिशत अर्ध 1986 (दूसरा तिमाही)* 7.25 प्रतिशत अर्ध 1992 (चौथा तिमाही)* 8.75 प्रतिशत अर्ध 2010 *की प्रतिभूति या जारी की जाएगी:--

प्रति वचनपत्र रु० ----- का (के) + ----- वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० ----- का (के) + ----- वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० ----- का (के) + ----- वचनपत्र

2 मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं* कि उनका व्याज ----- में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।

प्रतिष्ठित आवागमन कार्यालय द्वारा की जाएगी।

छोटे हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं०	हस्ताक्षर -----
"बलासी नहीं" मुहर	पूरा/पुरे नाम -----
नकदी प्राप्त होने की तारीख	-----
चेक बसल होने की तारीख	-----
विशेष बालू खाने में जमा करने की तारीख	-----
जांच की गयी	-----
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया	पता -----
बलासी रजिस्टर में दर्ज किया गया	-----
माग पत्र सं०	-----
प्रतिभूति सं०	-----
कार्ड सं०	-----
वाउचर पारित करने की तारीख	दिनांक: विमम्बर, 19 2

* जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

+ रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जाएंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहाँ उल्लेख करें।

टिप्पणी:-- (1) प्रत्येक अर्ध और अपेक्षित नये अर्ध की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए आवेदन-प्रस्ताव आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक के हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साथ हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक अर्ध कार्यालय में पहुँचे हों पंजीकृत न किये गये हों, तो संलग्न किये जाएंगे:--

(i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधिन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि।

(ii) कंपनी/निकाय के आपन पत्र और धननियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।

(iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उनके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

(4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूति प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छमाही व्याज के प्रेषण के लिए (लोक अर्ध कार्यालय में उपलब्ध) प्रवेश फार्म भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th November, 1982

No. F. 4(5)W & M/82.—Subscriptions for the issues of 6.25 per cent. Loan, 1986 (Second Issue), 7.25 per cent. Loan, 1992 (Fourth Issue) and 8.75 per cent. Loan, 2010 for an aggregate amount of Rs. 600 crores will be received in the form of cash on the 13th December 1982 upto the close of Banking hours. In the event of 13th December 1982 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 600 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 660 crores, partial allotment will be made in respect of the Loans, on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6.25 per cent. Loan, 1986 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 26th July 1986.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 26th July 1986.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6.25 per cent per annum from 13th December 1982. Interest for the period 13th December 1982 to 25th January 1983 (inclusive) will be paid on 26th January 1983 and thereafter interest will be paid half-yearly on 26th July and 26th January. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 7.25 per cent Loan, 1992 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 24th May 1992.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 24th May 1992.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.25 per cent per annum from 13th December, 1982. Interest for the period 13th December, 1982 to 23rd May 1983 (inclusive) will be paid on 24th May 1983 and thereafter interest will be paid half-yearly on 24th November and 24th May. The interest paid with subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the income-tax Act, 1961.

5. 8.75 per cent Loan, 2010 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 13th December 2010.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 13th December 2010.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 8.75 per cent per annum from 13th December 1982. Interest will be paid half-yearly on the 13th June and 13th December. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum.

(b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application a certificate from the Income-Tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 6,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto Rs. 1,65,000.

11. The securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheque tendered at the office of Reserve Bank of India or State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 5 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamps.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of flotation of the loans.

By order of the President.

A. C. TIWARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/Wc*
 (Full Name(s) in Block Letters)
 herewith
 tender Cash Rs. (Rupees)
 Cheque for

and request that Securities of 6.25 per cent. Loan, 1986 (Second Issue)* / 7.25 per cent. Loan, 1992 (Fourth Issue)* / 8.75 per cent. Loan, 2010* of the nominal value of Rs.

*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :

may be issued to me/us* in the form of

Stock Certificate

..... Promissory Note(s) + of Rs. each
 Promissory Note(s) + of Rs. each
 Promissory Note(s) + of Rs. each

2. I/Wc* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date
Application No.		
N.B. Stamp		
Cash received on		
Cheque realised on		
Credited to Special Current Account on		
Examined		
Cash Applications		
Register posted		
Brokerage Register posted		
Indent No.		
Scrip No.		
Card No.		
Voucher passed on		

Signature(s)

Name(s) in full
(Block Letters)

Address

Dated the of
December 1982.

*Delete what is not required.

+ Promissory Notes will be issued in denomination of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000 Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes.—(1) Separate applications should be made for each Loan and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—

(i) Certificate of Incorporation/Registration in original or

a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/ By-laws of the company/body.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/ their duly attested specimen signature(s).

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

